अव्यवस्था | धूल-गड्ढों में दफन प्रशासन की जिम्मेदारी!

रीवा-अमरकंटक मुख्य मार्ग बना मौत का रास्ता

नवभारत,धनपुरी। रीवा-अमरकंटक मुख्य मार्ग इन दिनों अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। करोड़ों रुपये के राजस्व और कोयला परिवहन का भार उठाने वाली यह सड़क अब आम जनता के लिए 'मौत का रास्ता' बन चुकी है। सड़क की दुर्दशा का सबसे बड़ा कारण भारी वाहनों और कोयला लोड ट्रकों की बेलगाम आवाजाही मानी जा रही है। हालत यह है कि दिन के उजाले में भी सड़क पर धूल और डस्ट का ऐसा गुबार उड़ता है मानो पूरा इलाका धुंध की चपेट में हो। विजिबिलिटी इतनी कम हो जाती है कि सामने से आने वाले वाहन तक दिखाई नहीं देते, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

बगहिया पुल से लेकर अमलाई ओपन कास्ट माइंस गेट तक सड़क की स्थिति किसी तालाब से कम नहीं दिखाई देती। जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे, टूटी सड़क और कीचड़ ने राहगीरों का जीना दूभर कर दिया है। आए दिन बाइक चालक गिरकर घायल हो रहे हैं, छोटे-बड़े हादसे हो रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभागों के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही। ऐसा प्रतीत होता है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि एसईसीएल सोहागपुर एरिया द्वारा इसी मार्ग से लगातार भारी मात्रा में

कोयले का परिवहन किया जाता है। दिन-रात दौड़ते ओवरलोड ट्रकों ने सड़क की कमर तोड़ दी है, लेकिन सड़क मरम्मत या निर्माण के नाम पर केवल खानापूर्ति और आश्वासन ही देखने को मिलते हैं। करोड़ों का कोयला निकालने वाली एजेंसियां और संबंधित विभाग सड़क सुधार की जिम्मेदारी से मुंह मोड़ते नजर आ रहे हैं। सबसे ज्यादा परेशानी सड़क किनारे रहने वाले स्थानीय लोगों को उठानी पड़ रही है। उड़ती धूल से लोगों का सांस लेना मुश्किल हो गया है। बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे लगातार धूल प्रदूषण की चपेट में हैं। लोगों में भारी आक्रोश पनप रहा है और क्षेत्र में चर्चा है कि यदि जल्द सड़क निर्माण और धूल नियंत्रण की व्यवस्था नहीं की गई तो जनता किसी भी दिन सड़क पर उतरकर उग्र विरोध प्रदर्शन कर सकती है।

सड़क को नरक में तब्दील कर दिया

रीवा-अमरकंटक मार्ग केवल एक सड़क नहीं, बल्कि हजारों लोगों की जीवनरेखा है। इसी मार्ग से श्रद्धालु, पर्यटक, मरीज, स्कूली बच्चे और रोजमर्रा के यात्री गुजरते हैं, लेकिन जिम्मेदार विभागों की उदासीनता ने इस महत्वपूर्ण सड़क को नरक में तब्दील कर दिया है। सवाल यह उठता है कि आखिर जनता की जान की कीमत कब समझी जाएगी? क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे के बाद ही जागेगा, या फिर जनता को यूं ही धूल, गड्ढों और मौत के साये में सफर करने के लिए छोड़ दिया जाएगा।

गौसेवा के माध्यम से करुणा, संस्कृति और संवेदना का प्रेरक संदेश

▶ पंचकुईया पीठ आश्रम की गौशाला में जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने गायों को चारा खिलाकर की सेवा

नवभारत,धनपुरी। देवालपुर तहसील विधिक सेवा समिति देपालपुर के अध्यक्ष एवं जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने पंचकुईया पीठ आश्रम स्थित गौशाला पहुंचकर गौमाता की सेवा करते हुए उन्हें अपने हाथों से हरा चारा खिलाया। इस अवसर पर पूज्य महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री रामगोपाल दास जी महाराज की स्नेहमयी उपस्थिति ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा, श्रद्धा और संवेदना से ओतप्रोत कर दिया।

गौशाला में जैसे ही जिला न्यायाधीश श्री खान ने गायों के समीप जाकर उन्हें चारा अर्पित किया, वहां उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति के हृदय में करुणा, सेवा और भारतीय संस्कृति के प्रति गहरा सम्मान जागृत हो उठा। यह दृश्य केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि उस मानवीय संवेदना का जीवंत उदाहरण था, जो हमें नि:स्वार्थ सेवा, दया और सह-अस्तित्व का पाठ पढ़ाती है। इस अवसर पर जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने कहा कि गौसेवा हमारी संस्कृति का आधार होकर मातृत्व, पोषण और करुणा का प्रतीक है।

उन्होंने समाज को संदेश देते हुए कहा कि गौसेवा केवल धार्मिक आस्था नहीं, बल्कि मानवता, करुणा और कर्तव्यबोध की सच्ची अभिव्यक्ति है। महामंडलेश्वर श्री रामगोपाल दास जी महाराज ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि गौमाता की सेवा से मन निर्मल होता है, विचार पवित्र होते हैं और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने कहा कि आज जब समाज अनेक चुनौतियों से गुजर रहा है, तब प्रेम, दया और सेवा जैसे संस्कार ही हमें सही दिशा दिखा सकते हैं।

समाज में प्रेम और मानवीय मूल्यों की सशक्त स्थापना संभव

गौशाला में व्याप्त शांत वातावरण, गौमाता की निश्छल दृष्टि और सेवा में समर्पित भाव ने सभी को भावुक कर दिया, जिससे समाज में यह संदेश प्रसारित हुआ कि यदि हम अपने जीवन में दया, करुणा और सेवा को स्थान दें, तो समाज में प्रेम, सद्भाव और मानवीय मूल्यों की सशक्त स्थापना संभव है। निस्संदेह, जिला न्यायाधीश श्री हिदायत उल्ला खान द्वारा की गई यह गौसेवा समाज के लिए एक प्रेरणादायी उदाहरण है, जो हमें यह सिखाती है कि न्याय केवल अदालतों में नहीं, बल्कि जीवमात्र के प्रति संवेदना और करुणा में भी निहित है।

कुएं में डूबने से मादा तेंदुए की मौत, वन विभाग ने शुरू की जांच

▶ एनटीसीए के दिशा-निर्देशों के तहत हुई कार्रवाई, डॉग स्क्वॉड से की गई छानबीन

नवभारत,शहडोल। वनमंडलाधिकारी दक्षिण ने जानकारी देते हुए बताया कि 17 मई को वन परिक्षेत्र शहडोल के सर्किल सिंहपुर अंतर्गत बीट अंतरा के राजस्व ग्राम मझगवां में एक मादा तेंदुए की कुएं में गिरकर पानी में डूबने से मृत्यु होने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही वन विभाग द्वारा एनटीसीए नई दिल्ली एवं मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक मध्यप्रदेश भोपाल के दिशा-निर्देशों के अनुरूप त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना स्थल को सुरक्षित कर लिया गया। वन विभाग की टीम ने डॉग

स्क्वॉड की सहायता से घटना स्थल एवं आसपास के क्षेत्र में गहन छानबीन की। तेंदुए के शव का परीक्षण बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के वन्यप्राणी चिकित्सक डॉ. राजेश तोमर द्वारा किया गया। परीक्षण के दौरान वन्यजीव के सभी अंग सुरक्षित पाए गए, जिससे किसी प्रकार की अवैध गतिविधि की आशंका नहीं मिली।निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मादा तेंदुए का शवदाह वन संरक्षक वन वृत्त शहडोल महेंद्र प्रताप सिंह, वनमंडलाधिकारी अनूपपुर डेविड वेंकटाराव चनाप, प्रशिक्षु भारतीय वन सेवा अधिकारी प्रितेश पखाले, सहायक वन संरक्षक संतोष कुमार शुक्ला, वनक्षेत्रपाल रामनरेश विश्वकर्मा, स्थानीय वन अमले, जनप्रतिनिधियों एवं राजस्व अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। पूरी कार्यवाही की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी कराई गई है। वन विभाग ने मामले में वन अपराध प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

अखंड सौभाग्य की कामना के साथ महिलाओं ने रखा व्रत

वट वृक्ष के फेरे लगाकर की गई पूजा-अर्चना

सुबह से ही पूजा के लिए महिलाओं की लगी थी भीड़

नवभारत,गोहपारू । गोहपारू क्षेत्र के पैलवाह ग्राम मे सुहागिन महिलाओं ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ज्येष्ठ मास की अमावस्या को आज वट सावित्री का व्रत रखा। व्रत रखने वाली सुहागिन महिलाओं की भीड़ आज सुबह से ही वट वृक्षों के नीचे लगनी शुरू हो गई थी। शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में हर जगह आज वट सावित्री व्रत की धूम बनी हुई थी। बताते चलें कि हिंदू धर्म में विवाहित महिलाएं ज्येष्ठ माह की अमावस्या को वट सावित्री व्रत रखती है। इसे कई जगहों पर बड़माक्स का त्यौहार भी कहा

जाता है। महिलाएं इस दिन व्रत करती है और वट वृक्ष यानी बरगद के पेड़ की पूजा करके पति की लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य के लिए आशीर्वाद मांगती है। शास्त्रों में कहा गया है कि वट वृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों देवता निवास करते हैं। इस व्रत को करके महिलाएं तीनों देवों से अपने पति की लंबी उम्र का वरदान मांगती है। इस दिन महिलाएं वट वृक्ष के पास बैठकर सावित्री और सत्यवान की कथा सुनती है और कच्चे सूत से सात बार वट वृक्ष की परिक्रमा करती है। पैलवाह में भी वट वृक्ष के नीचे अलग-अलग स्थानों में आज सुबह से सुहागिन महिलाएं पूजा-अर्चना करने के लिए पहुंचना शुरू हो गई थी। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी अलग-अलग स्थानों में महिलाएं पूजा-अर्चना में जुटी रहीं। जिला शहडोल गोहपारू क्षेत्र ग्राम पैलवाह में भी महिलाओं ने वट वृक्ष के नीचे विधि-विधान से पूजा की। अखंड सौभाग्य की कामना के लिए महिलाओं ने पूरे श्रृंगार के साथ पूजन की सामग्री लेकर वट वृक्ष के नीचे मौजूद रही। यहां पर वट वृक्ष की पूजा-अर्चना एवं कच्चे सूत का धागा सात बार फेरा लगाकर बांधा गया। वट वृक्ष से इस दौरान अपने अक्षत सुहाग की कामना के लिए वट सावित्री की पूजा-अर्चना की गई।

कार्तिकेय मंदिर के वट वृक्ष के नीचे हुई पूजा

सुहागिन महिलाओं द्वारा वट सावित्री वत रखा गया। पैलवाह के उप स्वास्थ्य केंद्र के पास वार्ड क्रमांक 6 के पास स्थित चौराहा के पास लगे बरगद पेड़ की पूजा की गई। सौभाग्य प्राप्ति के लिए वट सावित्री वत महिलाओं ने सवा। धार्मिक मान्यता है कि ज्येष्ठ मास की अमावस्या के दिल ही साविओं में यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण बचाए थे। इसलिए वट सावित्री छत को विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और सुखी जीवन के लिए रखती हैं। इस दिल सुखगल स्त्रियां बरगद के पेड़ की पूजा और अपने पति की लंबी उम्र की कामला के साच वट सावित्री यत रखती हैं। महिला पूजा द्विवेदी और आशा द्विवेदी के द्वारा बताया गया सावित्री व्रत वाले दिन कई जगहों पर पूजन में गुलगुले बताए जाते हैं। इन्हें मीठे पुए भी फ्ल जाता है। इस दिन सुबह पात: जल्दी उठना पड़ता है। बान के बाद यत करने का संकल्प लिया जाता है। श्रृंगार करने के पश्चात महिलाएं वट वृक्ष के नीचे पूजन की सामग्री के साथ पहुंचती हैं। पूजन सामग्री में पीला सिंदूर लगाना शुभ माना जाता है।

सड़क दुर्घटना वाले स्थानों का पुलिस एवं संबंधित विभाग के अधिकारी संयुक्त भ्रमण करें : सिंह

▶ कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

नवभारत,शहडोल । सड़क दुर्घटना वाले स्थानों का पुलिस एवं संबंधित निर्माण विभाग के अधिकारी संयुक्त भ्रमण करें तथा दुर्घटना के कारणों का अध्ययन कर आवश्यक सुधार सुनिश्चित करें। यह निर्देश कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। उन्होंने निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क दुर्घटना होने पर संबंधित थाने को अनिवार्य रूप से जानकारी दी जाए। कलेक्टर ने कहा कि

अनियंत्रित गति से दो पहिया वाहन चलाने तथा हेलमेट का उपयोग नहीं करने से सड़क दुर्घटना में अधिकतर मौतें होती हैं। जिला सड़क सुरक्षा समिति द्वारा जिले के नागरिकों से दो पहिया वाहन का उपयोग करते समय हेलमेट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने की अपील की गई। कलेक्टर ने शहडोल नगर के प्रमुख चौराहों जय स्तम्भ चौक, न्यू गांधी चौक से बुढ़ार चौक एवं अन्य चौराहों में पार्किंग की व्यवस्था के संबंध में मुख्य नगर पालिका अधिकारी शहडोल को निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक श्री रामजी श्रीवास्तव ने बताया कि सड़क दुर्घटना में जिले में औसतन 20 मौतें प्रतिमाह दर्ज की जाती हैं। जिसका प्रमुख कारण दो पहिया वाहन चालकों द्वारा हेलमेट का उपयोग नहीं करना है। आपने कहा कि मुख्य मार्गों में जहां स्पीड ब्रेकर बनाए गए हैं वहां वाहन चालक किनारे से स्पीड के साथ गुजरते हैं और दुर्घटना ग्रस्त होते हैं। सड़क निर्माण विभाग के अधिकारी स्पीड ब्रेकर के दोनो साईड के सोल्डर में बड़े पत्थर लगाकर उन्हें ब्लाक कर दें। बैठक में बताया गया कि सड़क दुर्घटना होने पर गोल्डेन ऑवर में अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को राहवीर योजना के तहत 25 हजार रूपए का पुरस्कार दिया जाता है। इसी तरह प्रधान मंत्री राहत योजना के तहत 1.5 लाख रूपए का कैशलेश ट्रीटमेन्ट दिया जाता है। जिले में सर्वाधिक सड़क दुर्घटनाएं थाना देवलोंद, ब्यौहारी, सोहागपुर, बुढ़ार तथा जैतपुर क्षेत्र में हो रही हैं। बैठक में सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग पंकज खरे, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा, कार्यपालन यंत्री आरईएस, मुख्य नगरपालिका अधिकारी शहडोल आशा भण्डारी, उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ आशोक सिंह, यातायात प्रभारी संजय जायसवाल उपस्थित रहे।

अवैध गतिविधियों को पनपने नहीं दिया जायेगा : मणि

धनपुरी, नवभारत। विगत दिवस अमलाई पुलिस द्वारा नशा तस्करो के खिलाफ की गई बड़ी कार्रवाई निश्चित एक बड़ी सफलता थी अमलाई पुलिस द्वारा जिस तरह गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से अवैध हथियार जप्त कर एक बड़ी कार्रवाई की गई जो एक साहसिक व सराहनीय कार्य था नवभारत प्रतिनिधि से थाना प्रभारी अमलाई भूपेंद्र मणि पांडे ने कहा कि थाना अंतर्गत किसी भी तरह की अवैध गतिविधियों को पनपने नहीं दिया जाएगा और कोई भी कानून व्यवस्था की स्थिति को बिगाड़ने की कोशिश करेगा उसके ऊपर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी थाना प्रभारी ने कहा कि पुलिस का कार्य

हमेशा क्षेत्र में सशक्त कानून व्यवस्था वह भय मुक्त समाज का निर्माण करना होता है थाना प्रभारी ने कहा कि आम लोगों की भी जिम्मेदारी होती है कि वह अपने आसपास किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि वह गैर कानूनी कार्यों की जानकारी पुलिस को देकर एक बेहतर भय मुक्त व्यवस्था को बनाने में अपना योगदान दे जिससे लोगों में पुलिस के प्रति एक सकारात्मक सोच विकसित हो सके थाना प्रभारी का कहना है की पुलिस का कार्य हमेशा पीड़ित व शोषित को न्याय दिलाने का रहता है जिससे कोई भी वंचित न रह सके।

धनपुरी नगर पालिका में चपरासी राज

▶ सीएमओ का चहेता जासूस कर रहा कर्मचारियों का खून-पसीना एक!

नवभारत,धनपुरी। नगर पालिका परिषद धनपुरी इस समय भय और आतंक के साए में जी रही है। पालिका दफ्तर में नियम-कायदे नहीं, बल्कि एक अदने से चपरासी की 'जासूसी' और 'चुगलखोरी' का सिक्का चल रहा है। सूत्रों के मुताबिक, दफ्तर में पानी पिलाने वाला यह भृत्य इन दिनों मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) मैडम का मुख्य सलाहकार बना बैठा है। खुद को 'वचन का पक्का क्षत्रिय' बताने वाले इस शख्स का असली सच यह है कि यह पूर्व में नौकरी लगवाने के नाम पर लाखों की ठगी के मामले में जेल की हवा खा चुका है। आज यही 420 का आरोपी मैडम का खास सिपहसालार बनकर पूरे दफ्तर को उंगलियों पर नचा रहा है।

त्योहारों पर भी पड़े फांके फूटा कर्मचारियों का गुस्सा

इस कथित जासूस की रोज-रोज की

खुन्नस और कान भरने की आदत से त्रस्त कर्मचारियों का जीना मुहाल हो चुका है। धूप में दिन-रात हाड़-तोड़ मेहनत करने वाले छोटे कर्मचारियों ने नाम न छापने की शर्त पर अपना दर्द बयां करते हुए कहा इस चपरासी की वजह से हमारी सैलरी काट ली जाती है। त्योहारों के सीजन में भी इसने मैडम को भड़काकर हमारी पेमेंट रुकवाई, जिससे हमारे घरों में फांके तक की नौबत आ गई। आज हम कर्ज के दलदल में डूब चुके हैं।

अब आर-पार की लड़ाई: 'घुट-घुट कर जीने से अच्छा नौकरी छोड़ दें

दफ्तर के इस दमघोंटू और तनावपूर्ण माहौल से परेशान कर्मचारी अब आर-पार की लड़ाई के मूड में हैं। उनका कहना है कि अन्याय और अत्याचार सहने की सीमा अब समाप्त हो चुकी है। परेशान कर्मचारियों ने साफ लफ्जों में चेतावनी दी है कि या तो उनका तबादला कहीं और कर दिया जाए या उन्हें नौकरी से निकाल दिया जाए, क्योंकि इस ब्लैकमेलर के साए में घुट-घुट कर जीने से बेहतर वे नौकरी छोड़ना पसंद करेंगे। देखना यह है कि इस गंभीर असंतोष पर प्रशासन कब जागता है।

उदासीनता | राहगीरों की जान जोखिम में, प्रशासनिक उदासीनता पर उठे सवाल

धनपुरी की सड़कों पर आवारा मवेशियों का आतंक

नवभारत, धनपुरी। नगर की व्यस्ततम सड़कों और मुख्य मार्गों पर इन दिनों आवारा मवेशियों की बढ़ती संख्या आम नागरिकों के लिए गंभीर संकट का कारण बनती जा रही है। चौक-चौराहों से लेकर बाजार क्षेत्र तक बैलों और गायों की धमाचौकड़ी ने यातायात व्यवस्था को अस्त-व्यस्त कर दिया है। स्थिति यह है कि वाहन चालक हर पल दुर्घटना की आशंका के बीच सफर करने को विवश हैं। नगरवासियों का कहना है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो कभी भी कोई बड़ा हादसा पूरे नगर को झकझोर सकता है।

धनपुरी नगर की यह विडंबना बन चुकी है कि दुर्घटना होने के बाद कुछ समय के लिए प्रशासन सक्रिय दिखाई देता है, किंतु धीरे-धीरे सारी व्यवस्था फिर पुराने ढर्रे पर लौट आती है। आवारा

मवेशियों के कारण पूर्व में वार्ड क्रमांक 16 के एक मुस्लिम युवक की दर्दनाक मृत्यु हो चुकी है। उस घटना ने पूरे नगर को स्तब्ध कर दिया था, लेकिन उसके बाद भी स्थायी समाधान की दिशा में अपेक्षित पहल नहीं हो सकी।

नगर के प्रमुख मार्गों पर अक्सर बैलों के बीच होने वाली भीषण लड़ाई राहगीरों के लिए भय का कारण बन जाती है। कई बार लोग घंटों तक मार्ग अवरुद्ध होने से परेशान रहते हैं। स्कूली बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं और दोपहिया वाहन चालक सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। बाजार क्षेत्र में स्थिति और भी चिंताजनक है। साप्ताहिक बाजार में आवारा मवेशी सब्जियों और खाद्य सामग्री के बीच घुस जाते हैं, जिससे व्यापारियों को नुकसान उठाना पड़ता है और ग्राहकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है।

कोई प्रभावी अभियान शुरू नहीं किया गया

नगरपालिका परिषद धनपुरी के पास मवेशियों को पकड़ने के लिए कैचर वाहन उपलब्ध होने के बावजूद उसका उपयोग न होना प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करता है। बताया जाता है कि वाहन अब अनुपयोगी स्थिति में पहुंच चुका है और उसकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। वहीं दूसरी ओर एसईसीएल द्वारा वैकल्पिक कांजी हाउस की व्यवस्था किए जाने के बावजूद आवारा पशुओं को नियंत्रित करने के लिए कोई प्रभावी अभियान शुरू नहीं किया गया। नागरिकों का कहना है कि यदि गौ संरक्षण केवल नारों और आयोजनों तक सीमित रह जाए, तो उसका वास्तविक उद्देश्य अधूरा रह जाता है। गौवंश की सुरक्षा और नागरिकों की सुविधा—दोनों के बीच संतुलन स्थापित करना प्रशासन और सामाजिक संगठनों की सामूहिक जिम्मेदारी है। नगरवासियों ने जिला प्रशासन और नगरपालिका से मांग की है कि आवारा मवेशियों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए, काउ कैचर वाहन को पुन: चालू किया जो विगत कई महिनों से ख़राब हालात मे खड़ी है तथा कांजी हाउस की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। अन्यथा धनपुरी की सड़कें आने वाले समय में किसी बड़ी त्रासदी की साक्षी बन सकती हैं। जिसकी जिम्मेदारी नगर पालिका प्रशासन की होगी।